रहीम की शायरी

१ प्रीतम-छवि नैनन बसी, पर- छवि कहां समाय।
भरी सराय रहीम लखि, पथिव आप फिरि जाय ॥

नैन	m. eye (adding the न, e.g. नैनन, typically makes a m. plural in old Hindi)
छवि	f. beauty
पर	other
लखि	having seen (in old Hindi often a verb stem ending in 'short i' is absolutive)
पथिव	m. traveler

२ रहिमन बात अगम्य की, कहन सुनन की नाहिं।
जे जानत ते कहत नहिं, कहत ते जानत नाहिं॥

रहिमन	Rahim
अगम्य	unfathomable
जे	who
ते	he

३ अब रहीम मुश्किल पड़ी, गाढ़े दोऊ काम ।
सांचे से तो जग नहिं, झूठे मिलैं न राम॥

गाढ़ा	adj. dense (here: difficult)
दो ऊ	both
सांचा	m. truth
जग	m. the world

४ ए रहीम दर-दर फिरहिं, मांगि मधुकरी खाहिं।
यारो यारी छोड़ि दो, वे रहीम अब नाहिं॥

मधुकरी f. alms

५ समय पाय फल होत है, समय पाय झर जात ।
सदा रहे नहिं एक सी, का रहीम पछतात॥

पाय =पाकर
झरना =झड़ना
का =क्या

६ रहिमन देखि बढ़ेन को, लघु न दीजिये डारि।
जहां काम आवै सुई, कहा करै तरवारि॥

बढ़ेन largeness
कहा =क्या
तरवारि (तलवार) f. sword

७ सावन आवन कहिगे, स्याम सुजान।
अजहुं न आये सजनी, तरफत प्रान ॥

आवन = आने को
कहिगे = कहि गये
अजहुं = आज भी
सजनी f. friend
तरफना (तड़पना) to be restless/agitated

८ झूमि झूमि चहुं ओरन, बरसत मेह।
त्यों त्यों पिय बिन, सजनी, तरफत देह॥

चहुं चारों
ओरन f. directions
मेह (मेघ) m. cloud

९ अति अद्भुत छवि सागर,मोहन गात।
देखत ही, सखि, बूड़त, दृग-जलजात॥

गात	m. body
बूड़ना	to dive, drown
दृग	m. eye

१० घेर रह्यो दिन रतियां, बिरह बलाय ।
मोहन की वह बतियां, ऊधो, हाय ॥

रतियां	f. nights
बिरह	m. the anguish of separated lovers
बलाय (बला)	f. terrible calamity
ऊधो	Uddhava, a messenger sent from Krishna who tells the gopis to stop pining for him and to learn the merits of “nirguna” or worship of a formless deity. (He bores the gopis to death with his dry sermons and they get angry at him.)

११ कहा छलत हो, ऊधो, दै परतीति ।
सपनेहू नहिं बिसरै मोहन मीति ॥

छलना	to trick
दै परतीति	after getting us to believe in you
सपनेहू	never, not even in a dream
बिसरना	to forget
मीति	f. love

१२ जब ते बिछुरे मोहन, भूख न प्यास ।
बेरि बेरि बढ़ि आवत, बड़े उसास ॥

ते	से
बेरि बेरि	बार-बार
उसास	m. sigh